विवरण

8वीं योजना दौरान लागू की जा रही योजना स्कीमों के संबंध में क्षेत्रवार आवंटन का ब्यौरा

(करोड़ रु० में)

क्षेत्र का नाम	1992–93	1993–94
अनाज प्रसंस्करण	3.65	3.40
फल तथा सब्जी प्रसंस्करण	8.25	11.00
तथा पाल्ट्री प्रसंस्करण	5.70	8.00
मात्स्यिकी	18.50	19.00
उपभोक्ता उद्योग	1.80	4.00
सचिवालय आर्थिक सेवा	2.10	1.60
कुल : . . .	40.00	47.00

देश में फलों और सब्जियों की ऊंची कीमतें

2312. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "पेरिशेबल एग्रीकल्चरल कॉमोडिटीज" की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में फलों और सब्जियों की कुल पैदावार का 40 से 25 प्रतिशत भाग उपयोग हुए बिना ही नष्ट हो रहा है ;

(ख) यदि नहीं, तो क्या यह सच नहीं है कि देश में फलों और सब्जियों के उत्पादकों के मूल्य और उपभोक्ताओं से लिए जाने वाले मूल्य के बीच कई सौ प्रतिशत का अन्तर है;

(ग) यदि नहीं, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या यह सच नहीं है कि फलों और सब्जियों के भारी मात्रा में नष्ट हो जाने का एकमात्र घटक ही देश में इनके उपभोक्ता मूल्य के उत्पादक मूल्य से काफी अधिक होने के लिए जिम्मेदार है और यह कि इन ऊंचे मूल्यों के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इन कृषि उत्पादों की मांग गिर जाती है;

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है और क्या सरकार ने इस संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय बाजार का कोई सर्वेक्षण किया है ;

(च) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और देश में फलों की भारी पैदावार होने के बावजूद विश्व में फलों के व्यापार में भारत का हिस्सा नगण्य होने के क्या कारण हैं ; और

(छ) यदि नहीं तो सरकार व्यापार के विकास हेतु ऐसा सर्वेक्षण कब कराएगी ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) फल और सब्जियों के अपव्यय का मूल्यांकन करने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया था लेकिन नाशवान कृषि उत्पादों संबंधी एक ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार अनुमान है कि उपयुक्त फसलोत्तर बुनियादी सुविधाओं की कमी होने तथा उत्पाद के सड़ जाने के कारण 40% कतिपय फल और सब्जियों की गुणवत्ता औ मूल्य में कमी आ जाती है ।

(ख) से (छ) उत्पादक और उपभोक्ता के बीच फल और सब्जी के मूल्यो मे अंतर काफी हद तक फल और सब्जी की किस्म, बाजार तथा उत्पादन के बीच दूरी, विपणन चैनल, पैकेजिंग के तरीके, मौसम और उत्पाद की नाशवानता आदि पर निर्भर करता है । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय बागवानी उत्पादों के कम निर्यात के कुछ कारण कतिपय फल और सब्जियों की कम पैदावार और उसके परिणामस्वरूप उनके दाम अधिक होना, ताजे फल और सब्जियों के लिए निर्यात की अपर्याप्त बुनियादी सुविधाएं, अपर्याप्त संगठित निर्यात प्रयास हैं । सरकार और उसके संगठन इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे हैं ।

Production of Britania Bread

2313. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of FOOD PROCESS-ING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the monopoly company Britania Bread has stopped production of the brown bread; and

(b) whether brown bread is advised for consumptitn to the diabetic patients; if so, what steps are being taken to ensure adequate and even supply of brown bread all over the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): (a) The Britania company does not have a monopoly. However, it has stopped the production of brown bread.

(b) Consumption of brown bread is advisable for patients of diabetes since it has a high fibre content but it is not the only source of fibre.

दिल्ली में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की डिस्पेंसरियों में दवाइयों की कमी

2314. **श्री शिवठल्लराव माधवराव जाधव** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की डिस्पेंसरियों में दवाइयों की हमेशा कमी बनी रहती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कई बार दवाइयां एक-एक सप्ताह अथवा इससे अधिक समय तक उपलब्ध नहीं होती हैं ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इस स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग) कभी-कभार किसी विशिष्ट औषधि की कमी होने पर उसे अधिकृत स्थानीय कैमिस्टों से खरीदा जाता है ।